रात्रि क्लास 13/12/68 :- किसको निश्चय है कि हम भविष्य में शाहज़ादा बनेंगे? संगमयुग ही है जबकि प्रश्न यह पूछते हैं। तुम जानते हो डिनायस्टी की स्थापना हो रही है, तो ज़रूर स्टूडेंट को यह ख्याल होगा– हम प्रिन्स बनेंगे। निश्चय वालों को ज़रूर खुशी अपार होगा। किसको निश्चय है हम यह शरीर छोड़कर प्रिन्स बनूँगा? (सभी ने हाथ उठाया) बच्चों को इतनी खुशी रहती है। तो सभी में पूरे दैवीगुण होनी चाहिए, जबकि यह निश्चय है। निश्चय बुद्धि माना विजयमाला में पिरोवन्ती, माला का दाना बनन्ती, शाहज़ादा बनन्ती। बच्चों को जब इतनी खुशी है तो बापदादा को भी ज़रूर होगी। कोई ऐसी भूल करेंगे तो कहूँगा हाथ उठाया था शाहज़ादा बनूँगा फिर भूल कितनी नाजुक करते हो। सच्चे-2 बच्चे पुरुषार्थ भी सच्चे दिल से करते हैं। एक दिन होगा जो सभी फॉरेन्र्स आबू में ही आवेंगे, और कहीं नहीं, भारत का राजयोग सीखने। कौन है जिसने पैराडाइज़ स्था॰ किया? कल्प पहले भी हुआ होगा तो ज़रूर म्युज़ियम बन जावेगा। यहाँ प्रदर्शनी हमेशा के लिए लगानी चाहिए। हम भारत की सेवा करते हैं। इसमें बहुतों का कल्याण होगा। खास कर जो नज़दीक वाले हैं। इसको ईश्वरीय ..... कहा जाता। पूछे इनका हेड कौन? अरे, है ही ईश्वरीय मिशन तो और हेड कौन होगा। तो यह भी यज्ञ में (मदद) करनी है। पैसे आदि खर्च आदि की बात नहीं। अच्छा, बच्चों को गुडनाइट और नमस्ते।